शैतानी ताक़तों से

कैसे बचूँ ?

shaitānī tāqatoṅ se kaise bachūṅ?

Freedom From Occult Forces

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 25]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org

published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is derived from Bucarama-TLM
https://pixabay.com/illustrations/maundy-thursday-holy-thursday-7870823/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

मुझसे पाक-साफ़ हो जाओ	3
रोज़ाना पाक-साफ़ हो जाओ	8
मेरी ख़ादिमाना रूह अपनाओ	10
शैतानी ताक़तों से मेरी हिफ़ाज़त क़बूल करो	12
इंजील, यूहन्ना 13:1-30	14

► **हम शैतानी ताक़तों से किस तरह निपट सकते हैं?**

हर एक का अपना ही तरीक़ा होता है। अकसर तावीज़ रखते हैं। बहुत लोग पीर के पास जाते हैं। अनगिनत और तरीक़े भी देखने में आते हैं।

► **इतने तरीक़े क्यों होते हैं?**

इसलिए कि हम सबको शैतानी ताक़तों का तजरिबा हुआ करता है। किसी की बुरी नज़र लग जाती है। या काले जादू से कोई हादसा होता है। कभी सपनों में, कभी जागते वक़्त शैतानी ताक़तें हमारे पल्ले पड़ती रहती हैं। लेकिन इनके क़ाबू में रहने की ज़रूरत नहीं है। इंजील शरीफ़ हमें इनसे बचने का हल बताती है।

► **इंजील शरीफ़ हमें इनसे बचने का क्या हल बताती है?**

आइए हम यूहन्ना की इंजील में पेश किए गए हल पर ग़ौर करें। फ़सह की ईद शुरू होनेवाली थी। ईसा मसीह जानता था कि थोड़ी देर बाद मुझे इस दुनिया को छोड़कर बाप के पास वापस जाना है।

► **ईसा मसीह को किस तरह ख़ुदा बाप के पास जाना था?**

सलीबी मौत के रास्ते से।

दिन ढलने लगा तो शाम का खाना तैयार हुआ। खाने में यहूदाह भी शरीक था, वही जो उसे दुश्मन के हवाले करेगा। ईसा मसीह को बहुत दुख हो रहा था क्योंकि वह यह जानता था। लेकिन वह यह भी जानता था कि मेरी सलीबी मौत ज़रूरी है। साथ साथ वह महसूस कर रहा था कि अब वक़्त आ गया है कि मैं अपने शागिर्दों को एक बहुत अहम सबक़ सिखाऊँ। उसने दस्तरख़ान से उठकर अपना लिबास उतार दिया और कमर पर तौलिया बाँध लिया। फिर बासन में पानी डालकर वह शागिर्दों के पाँव बारी बारी धो धोकर तौलिया से ख़ुश्क करने लगा। शागिर्द दंग रह गए।

► **वह क्यों दंग रह गए? क्या पाँव धोना आम-सा काम नहीं था?**
ज़रूर। क़दीम ज़माने के अकसर रास्ते पक्के नहीं थे। वह धूल और कीचड़ से भरे रहते थे। आम लोग या नंगे पाँव या चमड़े के चप्पल पहने सफ़र करते थे। ज़ाहिर है कि रोज़ाना अपने पाँवों को धोना पड़ता था। वैसे भी इस ख़ास मौक़े पर ज़रूरी था कि सब अपने पाँव धो लें।

► **तो फिर शागिर्द क्यों दंग रह गए?**
इसलिए कि उनका उस्ताद यह काम कर रहा था।

► **यह क्यों हैरानी की बात थी?**
ऐसा काम बहुत गंदा समझा जाता था। आम तौर पर शायद ही कोई ग़ुलाम या लौंडी दूसरों के पाँव धोती थी।

इसलिए जब उस्ताद ने अपना लिबास उतारकर कमर पर तौलिया बाँध लिया तो तमाम शागिर्द बुत बन गए। पतरस की बारी आई तो उसने कहा, “ख़ुदावंद, आप मेरे पाँव धोना चाहते हैं?”

ईसा मसीह ने जवाब दिया, “इस वक़्त तू नहीं समझता कि मैं क्या कर रहा हूँ, लेकिन बाद में यह तेरी समझ में आ जाएगा।”

पतरस बोला, “मैं कभी भी आपको मेरे पाँव धोने नहीं दूँगा!”

► **पतरस अपने एतराज़ से क्या कहना चाहता है?**

- पहले, यह शर्म की बात है कि आप हमारे पाँव धो रहे हैं।
- दूसरे, ऐ उस्ताद, आप यह क्यों कर रहे हैं? हम तो आपके एजंट, आपके वज़ीर हैं। हम ही बेहतर जानते हैं कि आपको क्या करना है। बस हम पर सारा मामला छोड़ दो।

► **क्या आप ऐसे लोग जानते हैं जो अपने आपको ख़ुदा के एजंट समझते हैं?**

लेकिन ईसा मसीह की सोच हमारी सोच से बहुत फ़रक़ है। उसने क्या जवाब दिया? जवाब यह दिया कि

मुझसे पाक-साफ़ हो जाओ

उसने फ़रमाया, “अगर मैं तुझे न धोऊँ तो मेरे साथ तेरा कोई हिस्सा नहीं होगा।”

► **इसका क्या मतलब है?**

ज़रूरी है कि मैं ही तुझे धोऊँ। मेरा यह काम क़बूल करो तब ही तेरा मेरे साथ हिस्सा होगा।

► **मसीह के साथ हिस्सा होने का क्या मतलब है?**

जब मेरा मसीह के साथ हिस्सा है तो मैं उसके घर का हूँ, उसके घरवालों में से हूँ।

► **उसका घर कहाँ है?**

ख़ुदा के पास। जन्नत कह लें या आसमान।

► **क्या हम अपनी कोशिशों से उसके घरवाले बन सकते हैं?**

कभी भी नहीं। लाज़िम है कि हम पहले अपने गुनाहों से पाक-साफ़ होकर शैतानी ताक़तों से आज़ाद हो जाएँ।

► **धोने से ईसा मसीह अपने एक ख़ास काम की तरफ़ इशारा कर रहा था। वह क्या है?**

वह अपनी सलीबी मौत की तरफ़ इशारा कर रहा था।

► **सलीबी मौत क्यों धोने की तरह है?**

उसकी सलीबी मौत हमें गुनाहों की गंद से धोकर शैतानी ताक़तों से छुड़ा देती है।

► **सलीबी मौत का रास्ता क्यों ज़रूरी था?**

हम अपने नेक कामों से ख़ुदा को मनवा नहीं सकते कि वह हमें जहन्नुम से छूट दे। कोई भी इनसान दावा नहीं कर सकता कि उसने अपने नेक कामों से अपने बुरे कामों को ढाँप दिया है।

► **वह क्यों यह दावा नहीं कर सकता?**

इसलिए कि हमारे तमाम नेक काम नाकाफ़ी हैं। हमारे बुरे कामों की गंद हमसे लिपटी रहती है और इन्हीं की वजह से हम शैतानी ताक़तों से घेरे रहते हैं। जिस तरह मक्खियाँ गले-सड़े खाने के इर्दगिर्द भिभिनाती रहती हैं, उसी तरह शैतानी ताक़तें हमारे बुरे कामों के बाइस हमारे इर्दगिर्द भिभिनाती रहती हैं। जब तक यह गंद दूर न हो जाए कोई सहारा नहीं है।

किसी लड़के का ज़िक्र है जो ध्यान न देकर खुले गटर में गिर गया। शुक्र है कि बच गया। मगर जब निकला तो उसकी हालत क़ाबिले-रहम थी। पूरा बदन गंदे पानी से काला था, और बदबू चारों तरफ़ फैल गई।

► **पहला काम क्या था, जो उसने किया?**

उसने अच्छी तरह नहा लिया।

► **क्या यह काफ़ी न होता अगर वह नहाने के बजाए अपने ऊपर ख़ुशबू छिड़कता?**

कभी नहीं। ख़ुशबू छिड़कने से गंद दूर नहीं होती। बहुत इमकान भी होता कि वह बीमार पड़ जाता। यही हमारी ख़ुदा के सामने हालत है। हम अपने नेक कामों की ख़ुशबू से वह गंद दूर नहीं कर सकते जो हमारे बुरे कामों से हमसे लतपत हो गई है। ख़ुशबू के बावुजूद यह बदबू रहती है। ख़ुशबू के बावुजूद शैतानी ताक़तें हमें घेरे रखती हैं। पहले नहाने की ज़रूरत है, पाक-साफ़ हो जाने की ज़रूरत है।

तब ही ख़ुशबू ठीक काम करेगी। तब ही शैतानी ताक़तें हमें छोड़ जाएँगी।

इसलिए ईसा मसीह इस दुनिया में उतर आया। उसने वह काम किया जो हम न कर पाए। सिर्फ़ उसका यह काम हमें धोकर हमारे बुरे कामों की गंद दूर कर सकता है। उससे हमारे गुनाह न सिर्फ़ माफ़ हो जाते हैं। उन्हें मिटाया भी जाता है।

► **वह किस तरह मिटाए जाते हैं?**

इससे कि ईसा मसीह ने सलीब पर हमारे गुनाहों की सज़ा उठा ली है। ज्योंही हम उस पर ईमान लाते हैं हमारे गुनाह मिट जाते हैं, हम ख़ुदा के सामने पाक-साफ़ होकर शैतानी ताक़तों से आज़ाद हो जाते हैं।

कभी कभी जब गटर बंद हो जाए तो किसी आदमी को गटर के पानी में उतरकर उसे खोलना पड़ता है। देखो, ईसा मसीह उस जैसा आदमी है। वह जो नूर है, जो सरासर पाक है इस दुनिया के गंदे गटर में उतर आया ताकि हमारे बुरे कामों की गंद दूर करके हमें शैतानी ताक़तों से बचाए।

► **क्या आपने धोने का यह काम क़बूल कर लिया है?**

ऐसा काम सिर्फ़ वह कर सकता है जो सरासर नूर, सरासर पाक है।

► **छोटे बच्चे की मिसाल लो। क्या छोटा बच्चा अपने पाँवों पर खड़ा हो सकता है?**

नहीं। छोटा बच्चा अपने माँ-बाप का एक काम भी नहीं कर सकता। माँ-बाप पैसे कमाते, उसकी देख-भाल करते, उसे खाना खिलाते, उसे नहाते हैं। यही ख़ुदा के सामने हमारा हाल है।

► **हम ख़ुदा के सामने किस तरह बच्चे जैसे होते हैं?**

हम अपने आपको छुड़ा नहीं सकते। यही बात ईसा मसीह पतरस को बताना चाहता था : तू नजात का यह काम नहीं कर सकता। छोटे बच्चे की तरह अपने हाथ मेरी तरफ़ फैला दे ताकि मैं तुझे धो दूँ, तुझे अपनी गोद में लेकर शैतानी ताक़तों से बचाए रखूँ।

ईसा मसीह के सामने यही हमारी हालत है। दुनिया में हम न उसके नुमाइंदे न उसके वज़ीर हैं। हम सिर्फ़ उसके क़र्ज़दार हैं। क्योंकि उसी ने सब कुछ हमारी ख़ातिर किया है। हम अपनी नजात के लिए कुछ नहीं कर सकते। न नेक काम न हदिये हमें नजात दिला सकते हैं। ख़ुदा के सामने न हम किसी और पर इलज़ाम लगा सकते हैं न कोई तक़ाज़ा कर सकते हैं। उसके सामने हम सब गुनाहगार ही हैं। इसलिए हमें उसकी ज़रूरत है जिसने हमारी जगह हमारी सज़ा बरदाश्त की।

► **क्या आपने ईसा मसीह का पाक-साफ़ करनेवाला काम क़बूल किया है?**

पतरस जैसा मत बनो। उसने सोचा, मुझसे ही धोने का काम हो जाएगा। मैं ही आपके लिए लड़ूँगा। मुझे आपकी मदद की क्या ज़रूरत है? आपको तो मेरी ही मदद की ज़रूरत है।

► **क्या आप पतरस की तरह सोचते हैं कि मुझसे सब कुछ हो जाएगा? या क्या आपने अपनी ज़िंदगी मसीह के सुपुर्द की है?**

अपनी कोशिशों को छोड़ दो। अपने आप पर भरोसा मत करो। सिर्फ़ उस पर पूरा भरोसा करने से आप शैतानी ताक़तों से बच जाएँगे। सिर्फ़ उस पर एतमाद करने से आप अदालत के दिन बच जाएँगे।

लेकिन ईसा मसीह एक और बात भी बताना चाहता है। यह कि

रोज़ाना पाक-साफ़ हो जाओ

► **जब ईसा मसीह ने फ़रमाया कि मैं ही पाक-साफ़ करने का यह काम कर सकता हूँ तो पतरस ने क्या जवाब दिया?**

वह बोला, "तो फिर ख़ुदावंद, न सिर्फ़ मेरे पाँवों बल्कि मेरे हाथों और सर को भी धोएँ!"

► **क्या आपने कुछ महसूस किया?**

पतरस अब तक उस्ताद को बताना चाहता था कि उसे क्या करना है।

► **तब ईसा मसीह ने क्या जवाब दिया?**

> जिस शख़्स ने नहा लिया है उसे सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है, क्योंकि वह पूरे तौर पर पाक-साफ़ है। तुम पाक-साफ़ हो, लेकिन सबके सब नहीं। (यूहन्ना 13:10)

► **इसका क्या मतलब है? क्या वजह है कि सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है?**

इसमें दो बातें जुड़ी हुई हैं :

- ईमान लाने से हम उसकी सलीबी मौत से एक बार सदा के लिए पाक-साफ़ हो जाते हैं। इससे हमें नजात यक़ीनी है।
- फिर भी रोज़ाना इसकी ज़रूरत है कि हम उसके हुज़ूर आकर उससे पाक-साफ़ किए जाएँ। जब तक हम दुनिया की गंदी गलियों में फिरते चलेंगे तब तक हमारे पाँव बार बार धूल और कीचड़ से लतपत हो जाएँगे, तब तक हमसे ग़लतियाँ होती रहेंगी। इसलिए ज़रूरी है कि हम रोज़ाना उससे मिन्नत करें कि वह हमारे पाँवों को धोए। वरना ख़तरा है कि हम आहिस्ता आहिस्ता दुबारा शैतानी ताक़तों की ज़द में आ जाएँ।

मेरे दोस्त, पतरस जैसे मत बनो। ईसा मसीह को मत बताना कि उसे क्या करना है। चुप रहो और उसे तकते रहो। उसी की आवाज़ सुनते रहो। क़बूल करो कि वही आपको रोज़ाना पाक-साफ़ कर सकता है। वही आपको रोज़ाना शैतानी ताक़तों से महफ़ूज़ रख सकता है।

► **लेकिन ईसा मसीह का क्या मतलब था कि सबके सब पाक-साफ़ नहीं हैं?**

यहूदाह इस्करियोती पाक-साफ़ नहीं था।

► **इससे हम क्या नतीजा निकाल सकते हैं?**

अनगिनत लोग ईसा मसीह के शागिर्द कहलाते हैं लेकिन झूठे शागिर्द हैं। यहूदाह इनमें से एक था। वह पाक-साफ़ नहीं हो सकता था। वह शैतानी ताक़तों से बच नहीं सकता था।

► **क्यों?**

उसके दिल ने ईसा मसीह को रद किया था। अपनी सलीबी मौत से ईसा मसीह ने हमें पाक-साफ़ करने का काम सरंजाम दिया। लेकिन सिर्फ़ वह नजात पाता है जो उसका यह काम क़बूल करता है।

► **क्या आपने मसीह की यह नजात क़बूल की है?**

तब ईसा मसीह ने एक तीसरी बात फ़रमाई। यह कि

मेरी ख़ादिमाना रूह अपनाओ

सबके पाँव धोने के बाद ईसा मसीह दुबारा अपना लिबास पहनकर बैठ गया। उसने फ़रमाया,

> क्या तुम समझते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है? तुम मुझे ‘उस्ताद’ और ‘ख़ुदावंद’ कहकर मुख़ातिब करते हो और यह सही है, क्योंकि मैं यही कुछ हूँ।

> मैं, तुम्हारे ख़ुदावंद और उस्ताद ने तुम्हारे पाँव धोए। इसलिए अब तुम्हारा फ़र्ज़ भी है कि एक दूसरे के पाँव धोया करो। मैंने तुमको एक नमूना दिया है ताकि तुम भी वही करो जो मैंने तुम्हारे साथ किया है। मैं तुमको सच बताता हूँ कि ग़ुलाम अपने मालिक से बड़ा नहीं होता, न पैग़ंबर अपने भेजनेवाले से। अगर तुम यह जानते हो तो इस पर अमल भी करो, फिर ही तुम मुबारक होगे। (यूहन्ना 13:12-17)

► **शागिर्दों का क्या फ़र्ज़ है?**

फ़र्ज़ यह है कि वह एक दूसरे के पाँव धोया करें।

► **क्यों?**

इसलिए कि उनके उस्ताद और ख़ुदावंद ने यह काम किया।

► **क्या बड़ों के पाँव धोने पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए?**

नहीं। सब बराबर हैं, चाहे बड़े हों या छोटे।

► **क्यों?**

क्योंकि उस्ताद और ख़ुदावंद ने शागिर्दों की ख़ातिर यह काम किया है।

► **हम किस तरह एक दूसरे के पाँव धोते हैं?**

इससे कि हम सबकी बराबर ख़िदमत करते हैं। ईसा मसीह यह तक़ाज़ा नहीं करता कि हम उसकी तरह अपनी जान देकर दूसरे को पाक-साफ़ करें। यह हम कर ही नहीं सकते। लेकिन जब उसने

हमारे लिए नजात का काम सरंजाम दिया तो क्या हमें उसके नमूने पर नहीं चलना चाहिए?

साथ साथ ईसा मसीह ने एक वादा भी किया,

> जो शख़्स उसे क़बूल करता है जिसे मैंने भेजा है वह मुझे क़बूल करता है। और जो मुझे क़बूल करता है वह उसे क़बूल करता है जिसने मुझे भेजा है।
> (यूहन्ना 13:20)

► **इस वादे का क्या मतलब है?**

जो भी मसीह के नाम में आता है उसे क़बूल करना है। जब हम उसे क़बूल करते हैं तो हम मसीह को और उसमें ख़ुदा बाप को क़बूल करते हैं। तब ही हमें कसरत से बरकत मिलती है। एक दूसरे की ख़िदमत करने से हम तक़वियत भी पाते हैं, वह तक़वियत जिससे हम शैतानी ताक़तों से महफ़ूज़ रहते हैं।

आख़िरी बात जो ईसा मसीह हमें बताना चाहता है :

शैतानी ताक़तों से मेरी हिफ़ाज़त क़बूल करो

अब ईसा मसीह मुज़तरिब होने लगा। वह बोला, “मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुममें से एक मुझे दुश्मन के हवाले कर देगा।”

► **ईसा मसीह ने यह क्यों फ़रमाया? अगर यह होना ही था तो यह कहने से क्या फ़रक़ पड़ता था?**

- वह चाहता था कि हर एक अपने आपको परखे।

- वह यहूदा को तौबा करने का एक आख़िरी मौक़ा देना चाहता था।

शागिर्द उलझन में पड़ गए। तब एक शागिर्द ने ईसा मसीह की तरफ़ सर झुकाकर पूछा, "ख़ुदावंद, यह कौन है?"
ईसा मसीह ने जवाब दिया, "जिसे मैं रोटी का लुक़मा शोरबे में डुबोकर दूँ, वही है।" फिर लुक़मे को डुबोकर उसने यहूदाह इस्करियोती को दे दिया। ज्योंही यहूदाह ने यह लुक़मा ले लिया इबलीस उसमें समा गया। उस्ताद ने उसे बताया, "जो कुछ करना है वह जल्दी से कर ले।" दूसरों को मालूम न हुआ कि उस्ताद ने यह क्यों कहा। लेकिन लुक़मा लेते ही यहूदाह बाहर निकल गया। रात का वक़्त था।

► **लुक़मा लेने से हम यहूदाह के बारे में क्या सीखते हैं?**

लुक़मा लेने से यहूदाह ने अपनी ग़लत राह पर चलने का इसरार किया। मसीह ने पाक-साफ़ हो जाने की दावत दी पर यहूदाह ने यह दावत रद की। मसीह ने यहूदाह को तौबा करने का आख़िरी मौक़ा दिया पर यहूदाह ने इनकार किया। नतीजे में वह इबलीस के पूरे क़ब्ज़े में आ गया। अब वह ईसा मसीह की हिफ़ाज़त से निकलकर इबलीस के राज में आ गया। अब वापस आना नामुमकिन हो गया। रात का वक़्त था, और यहूदा के दिल में भी अंधेरा ही अंधेरा था।

► **क्या आपको ईसा मसीह की हिफ़ाज़त हासिल है?**

पहले क़बूल करो कि वही आपको पाक-साफ़ कर सकता है। हाँ, वही आपको रोज़ाना पाक-साफ़ कर सकता है। वही आपको ख़िदमत की वह रूह दे सकता है जिससे सब पर बरकत बरसेगी। और वही आपकी शैतानी ताक़तों से हिफ़ाज़त कर सकता है।

इंजील, यूहन्ना 13:1-30

फ़सह की ईद अब शुरू होनेवाली थी। ईसा जानता था कि वह वक़्त आ गया है कि मुझे इस दुनिया को छोड़कर बाप के पास जाना है। गो उसने हमेशा दुनिया में अपने लोगों से मुहब्बत रखी थी, लेकिन अब उसने आख़िरी हद तक उन पर अपनी मुहब्बत का इज़हार किया।

फिर शाम का खाना तैयार हुआ। उस वक़्त इबलीस शमाऊन इस्करियोती के बेटे यहूदाह के दिल में ईसा को दुश्मन के हवाले करने का इरादा डाल चुका था। ईसा जानता था कि बाप ने सब कुछ मेरे सुपुर्द कर दिया है और कि मैं अल्लाह में से निकल आया और अब उसके पास वापस जा रहा हूँ। चुनाँचे उसने दस्तरख़ान से उठकर अपना लिबास उतार दिया और कमर पर तौलिया बाँध लिया। फिर वह बासन में पानी डालकर शागिर्दों के पाँव धोने और बँधे हुए तौलिया से पोंछकर ख़ुश्क करने लगा। जब पतरस की

बारी आई तो उसने कहा, “ख़ुदावंद, आप मेरे पाँव धोना चाहते हैं?”

ईसा ने जवाब दिया, “इस वक़्त तू नहीं समझता कि मैं क्या कर रहा हूँ, लेकिन बाद में यह तेरी समझ में आ जाएगा।”

पतरस ने एतराज़ किया, “मैं कभी भी आपको मेरे पाँव धोने नहीं दूँगा!”

ईसा ने जवाब दिया, “अगर मैं तुझे न धोऊँ तो मेरे साथ तेरा कोई हिस्सा नहीं होगा।”

यह सुनकर पतरस ने कहा, “तो फिर ख़ुदावंद, न सिर्फ़ मेरे पाँवों बल्कि मेरे हाथों और सर को भी धोएँ!”

ईसा ने जवाब दिया, “जिस शख़्स ने नहा लिया है उसे सिर्फ़ अपने पाँवों को धोने की ज़रूरत होती है, क्योंकि वह पूरे तौर पर पाक-साफ़ है। तुम पाक-साफ़ हो, लेकिन सबके सब नहीं।” (ईसा को मालूम था कि कौन उसे दुश्मन के हवाले करेगा। इसलिए उसने कहा कि सबके सब पाक-साफ़ नहीं हैं।)

उन सबके पाँव धोने के बाद ईसा दुबारा अपना लिबास पहनकर बैठ गया। उसने सवाल किया, “क्या तुम समझते हो कि मैंने तुम्हारे लिए क्या किया है? तुम मुझे ‘उस्ताद’ और ‘ख़ुदावंद’ कहकर मुख़ातिब करते हो और यह सही है, क्योंकि मैं यही कुछ हूँ। मैं, तुम्हारे ख़ुदावंद और उस्ताद ने तुम्हारे पाँव धोए। इसलिए

अब तुम्हारा फ़र्ज़ भी है कि एक दूसरे के पाँव धोया करो। मैंने तुमको एक नमूना दिया है ताकि तुम भी वही करो जो मैंने तुम्हारे साथ किया है। मैं तुमको सच बताता हूँ कि ग़ुलाम अपने मालिक से बड़ा नहीं होता, न पैग़ंबर अपने भेजनेवाले से। अगर तुम यह जानते हो तो इस पर अमल भी करो, फिर ही तुम मुबारक होगे। मैं तुम सबकी बात नहीं कर रहा। जिन्हें मैंने चुन लिया है उन्हें मैं जानता हों। लेकिन कलामे-मुक़द्दस की इस बात का पूरा होना ज़रूर है, 'जो मेरी रोटी खाता है उसने मुझ पर लात उठाई है।' मैं तुमको इससे पहले कि वह पेश आए यह अभी बता रहा हूँ, ताकि जब वह पेश आए तो तुम ईमान लाओ कि मैं वही हूँ। मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो शख़्स उसे क़बूल करता है जिसे मैंने भेजा है वह मुझे क़बूल करता है। और जो मुझे क़बूल करता है वह उसे क़बूल करता है जिसने मुझे भेजा है।"

इन अलफ़ाज़ के बाद ईसा निहायत मुज़तरिब हुआ और कहा, "मैं तुमको सच बताता हूँ कि तुममें से एक मुझे दुश्मन के हवाले कर देगा।"

शागिर्द उलझन में एक दूसरे को देखकर सोचने लगे कि ईसा किसकी बात कर रहा है। एक शागिर्द जिसे ईसा प्यार करता था उसके क़रीबतरीन बैठा था। पतरस ने उसे इशारा किया कि वह उससे दरियाफ़्त करे कि वह किसकी बात कर रहा है।

उस शागिर्द ने ईसा की तरफ़ सर झुकाकर पूछा, “ख़ुदावंद, यह कौन है?”

ईसा ने जवाब दिया, “जिसे मैं रोटी का लुक़मा शोरबे में डुबोकर दूँ, वही है।” फिर लुक़मे को डुबोकर उसने शमाऊन इस्करियोती के बेटे यहूदाह को दे दिया। ज्योंही यहूदाह ने यह लुक़मा ले लिया इबलीस उसमें समा गया। ईसा ने उसे बताया, “जो कुछ करना है वह जल्दी से कर ले।” लेकिन मेज़ पर बैठे लोगों में से किसी को मालूम न हुआ कि ईसा ने यह क्यों कहा। बाज़ का ख़याल था कि चूँकि यहूदाह ख़ज़ानची था इसलिए वह उसे बता रहा है कि ईद के लिए दरकार चीज़ें ख़रीद ले या ग़रीबों में कुछ तक़सीम कर दे। चुनाँचे ईसा से यह लुक़मा लेते ही यहूदाह बाहर निकल गया। रात का वक़्त था।